पाठ 15. तेनालीराम (केवल पढ़ने के लिए)

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में भावनाओं पर नियंत्रण संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे उत्तेजित व उद्वेलित करने वाले कारकों से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता बढ़ा सकें। इस पाठ में यह बताने की चेष्टा की गई है कि मनुष्य में क्या-क्या सद्गुण होने चाहिए।

अध्यापन संकेत

यह मौखिक पाठ है। इस पाठ का मौखिक वाचन करने के पश्चात् कुछ बच्चों से पाठ से संबंधित प्रश्न निर्माण करवाएँ। अन्य बच्चे उन प्रश्नों का उत्तर दें। बच्चों को परोपकार का अर्थ समझाएँ। यह भी बताएँ कि परोपकार हमें किस प्रकार संतोष व आनंद देता है।